May 2026

PRSI HARMONY

Building Bridges of Trust

Public Relations : Fifth Pillar of Democracy

PUBLIC RELATIONS SOCIETY OF INDIA
HARMONY

Monthly (May 2026)

Editor-in-chief
Prof. Ajit Pathak

Managing Editor
Dr. Archana Kumari

Executive Editors
Dr. Ciny Philip
Dr. Dev Kanya Thakur
Dr. Harsha Bhargavi
Dr. Neha Jingala
Ms. Tanushree Sharma
Ms. Pratigya Yadav

Editor (Hindi)
Dr. Yasir Arfat

Editor (English)
Dr. Pardeep Singh

Sub Editor (Hindi)
Ms. Pooja
Mr. Deoraj Singh

Sub Editor (English)
Ms. Archana Kiran
Ms. Jaya
Mehvish Zakir

Graphics Editor
Ms. Lavi Sharma

Webmaster
Mr. Manish Hooja

Webmaster
Mr. Shekhar Ghosh

Office:
Core-7, SCOPE Complex,
Lodhi Rd, CGO Complex,
Pragati Vihar, New Delhi, Delhi 110003
Web: www.prsi.org.in
Email: harmony.prsi@gmail.com

Inside

02 पीआरएसआई के राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस 2026 में 'सत्य बनाम नैरेटिव' पर जोर, जनसंपर्क को लोकतंत्र का पाँचवाँ स्तंभ बताया

04 राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस पर मंथन: लोकतंत्र को मजबूत बनाने में जनसंपर्क की अहम भूमिका

05 Young Voices Join PRSI Mumbai's Conversation on PR and Democracy

08 From Reputation to Responsibility: PRSI Ahmedabad Examines PR's Democratic Role

10 जनसंपर्क सरकार और जनता के बीच विश्वास का सेतु है

12 Trust, Truth and Two-Way Communication Take Centre Stage at PRSI Chennai

14 Credibility Over Technology: PRSI Guwahati Emphasises T rust in Communication

15 पीआरएसआइ जयपुर चैप्टर ने 58वें राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस एवं सम्मान समारोह का किया आयोजन

18 पीआरएसआई नागपुर चैप्टर ने किया, "जनसंपर्क: लोकतंत्र का पांचवां स्तंभ" विषय पर विचार-विमर्श

20 Ethics and Public Trust Take Centre Stage at PRSI Tirupati

21 पीआरएसआई शिमला चैप्टर ने किया, "जनसंपर्क: लोकतंत्र का पांचवां स्तंभ" विषय पर विचार-विमर्श

24 Building Public Trust: PRSI Visakhapatnam Focuses on Responsible Communication

25 राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस पर देहरादून में विचार गोष्ठी, 'संवाद ही विश्वास की नींव' पर जोर

26 Beyond Image Management: PRSI Bhubaneswar Focuses on Public Interest and Responsible Communication

27 छवि निर्माण में जनसमंपर्क कर्मी की महत्वपूर्ण भूमिका- डॉ. मनोज

28 National Public Relations Day on the Theme "Public Relations: Fifth Pillar of Democracy"

29 Chandigarh University Celebrates Public Relations Day, with Insightful Session on Strategic Reputation Management

Public Relations : Fifth Pillar of Democracy

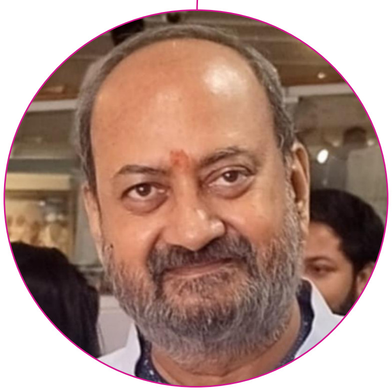

Dr. Ajit Pathak
National President, PRSI

India, the world's largest democracy, is founded on the principles enshrined in its Constitution, which establishes the nation as a sovereign, socialist, secular and democratic republic. Democratic governance rests upon four well-recognised pillars:

- Legislature – formulates laws and policies through elected representatives.
- Executive – implements laws and administers governance.
- Judiciary – interprets the law and safeguards justice and constitutional rights.
- Media – informs citizens, promotes transparency and holds institutions accountable.

Together, these pillars ensure accountability, representation and the rule of law.

In today's rapidly evolving communication environment, Public Relations has emerged as a vital force that connects these democratic institutions with citizens through trust, dialogue, transparency and responsible communication. It helps bridge the gap between governments, organisations, institutions and the public by facilitating understanding, managing perceptions and encouraging informed participation. Accordingly, PRSI has raised its voice to have Public Relations as the emerging fifth pillar of democracy. Time is ripe to recognise the profession's growing contribution in strengthening democratic values by fostering trust, promoting ethical communication and enabling meaningful engagement among diverse stakeholders.

India is emerging as one of the world's fastest-growing economies, driven by innovation, digital transformation, entrepreneurship, technological advancement and a young workforce. As the nation advances towards the vision of Viksit Bharat 2047, communication will play an increasingly strategic role in shaping public understanding, encouraging participation and strengthening institutional trust.

Public Relations professionals are uniquely positioned to support this journey by promoting transparency, facilitating dialogue, strengthening stakeholder engagement and reinforcing democratic values.

As India progresses towards becoming a developed nation by 2047, the Public Relations profession is prepared to shoulder greater responsibility in building trust between institutions and citizens.

Let us strengthen the recognition of Public Relations as a profession that builds trust, promotes dialogue and contributes meaningfully to a stronger democracy and a stronger India.

पीआरएसआई के राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस 2026 में 'सत्य बनाम नैरेटिव' पर जोर, जनसंपर्क को लोकतंत्र का पाँचवां स्तंभ बताया

पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) ने "जनसंपर्क: लोकतंत्र का पाँचवां स्तंभ" विषय के साथ राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस 2026 उत्साहपूर्वक मनाया। इस कार्यक्रम में मीडिया, न्यायपालिका, कूटनीति और शिक्षा जगत के अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने भाग लिया और लोकतांत्रिक संस्थाओं को सुदृढ़ बनाने में जनसंपर्क की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि राम बहादुर राय ने कहा कि जनसंपर्क मूल रूप से जनहित की सेवा करता है। उन्होंने कहा कि पीआरएसआई जिम्मेदारी पर आधारित राष्ट्रहित की भावना को दर्शाता है। उन्होंने संचार में "नैरेटिव" के अत्यधिक उपयोग के प्रति सावधान करते हुए कहा कि आकर्षक लेकिन भ्रामक संदेशों के कारण सत्य को दबाया नहीं जाना चाहिए। उन्होंने पेशेवरों से नैरेटिव और वास्तविकता के बीच अंतर समझने तथा नैतिक एवं सत्यनिष्ठ संचार अपनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर न्यायमूर्ति भंवर सिंह (पूर्व न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय) ने पीआरएसआई के 68 वर्ष पूरे होने पर बधाई दी और विषय को समयानुकूल बताया। उन्होंने

संविधान के तीन स्तंभ—विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका—का उल्लेख करते हुए मीडिया को चौथा स्तंभ बताया तथा कहा कि जनसंपर्क अब पाँचवें स्तंभ के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क संस्थाओं और नागरिकों के बीच सेतु का कार्य करता है, नीतियों को सरल

बनाता है तथा पारदर्शिता और विश्वास को मजबूत करता है। उन्होंने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 का उल्लेख करते हुए जागरूक नागरिकों के महत्व पर बल दिया।

डॉ. संदीप मारवाह (चांसलर, एएएफटी यूनिवर्सिटी) ने कहा कि जनसंपर्क केवल प्रचार या छवि निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रचनात्मकता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, नैतिकता और मानवीय संबंधों पर आधारित एक महत्वपूर्ण विधा है। उन्होंने कहा कि सफल संचार वही है जो विश्वास और सहभागिता को बढ़ाए।

राजदूत अखिलेश मिश्रा ने अपने संबोधन में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और दीर्घकालिक दृष्टिकोण को सतत विकास के लिए आवश्यक बताया। उन्होंने भारत की लोकतांत्रिक परंपरा और विविधता को उसकी विशेष शक्ति बताया तथा "सर्व धर्म समभाव" के सिद्धांत पर बल दिया।

डॉ. अजीत पाठक ने कहा कि जनसंपर्क भारतीय लोकतंत्र का पाँचवां स्तंभ बनकर उभर रहा है और पीआरएसआई एक स्वतंत्र तथा राष्ट्र-केंद्रित संगठन के रूप में कार्य कर रहा है।

प्रो. चारुलता सिंह ने स्वागत भाषण में बताया कि पीआरएसआई, जिसकी स्थापना 1958 में हुई, देशभर के जनसंपर्क पेशेवरों और एजेंसियों का प्रतिनिधित्व करने वाली एक राष्ट्रीय संस्था है। उन्होंने दिल्ली चैप्टर द्वारा किए जा रहे प्रभावी कार्यों और संचार उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर पीआरएसआई ने अपनी पत्रिका हार्मनी का विशेष अंक भी जारी किया, जो जनसंपर्क की बढ़ती भूमिका और लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में इसके योगदान को रेखांकित करता है।

कार्यक्रम के दौरान पीआरएसआई दिल्ली चैप्टर में उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। सम्मानित होने वालों में सुश्री शिफाली आहूजा, सुश्री अंकिता श्रीवास्तव, श्री पंकज सक्सेना, श्री दीपक तनेजा, सुश्री वैशाली बिल्ला और डॉ. ऋतु दुबे शामिल रहे। पीआरएसआई हार्मनी टीम को भी उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में श्री दीपक तनेजा द्वारा आयोजित एक क्विज़ सत्र भी हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त रील मेकिंग प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा भी की गई, जिसने प्रतिभागियों की रचनात्मकता और नवाचार को प्रोत्साहित किया।

यह कार्यक्रम इस बात की पुष्टि करता है कि जनसंपर्क आज के समय में लोगों और संस्थाओं के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में कार्य करते हुए पारदर्शिता, विश्वास और लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ कर रहा है।

राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस पर मंथन: लोकतंत्र को मजबूत बनाने में जनसंपर्क की अहम भूमिका

जनसंपर्क लोकतंत्र का पाँचवां स्तंभ, जिम्मेदार सोशल मीडिया समय की जरूरत– प्रो. गोविन्द सिंह

पब्लिक रिलेशन्स सोसाइटी ऑफ इंडिया (PRSI), रायपुर चैप्टर द्वारा राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस के अवसर पर "जनसंपर्क : लोकतंत्र का पांचवां स्तंभ" विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में देशभर के जनसंपर्क विशेषज्ञों, वरिष्ठ पत्रकारों, संचार विशेषज्ञों और शिक्षाविदों ने भाग लेकर लोकतंत्र में जनसंपर्क की बदलती भूमिका पर सार्थक चर्चा की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तराखंड सरकार की मीडिया एडवाइजरी कमेटी के चेयरमैन एवं आईआईएमसी, नई दिल्ली के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. गोविन्द सिंह ने कहा कि वर्तमान दौर में जनसंपर्क और जनसंवाद लोकतंत्र की मजबूती के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निष्पक्ष और संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करना चाहिए।

सोशल मीडिया की बढ़ती ताकत पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म ने जनभागीदारी और सूचना के आदान-प्रदान को नई गति दी है, लेकिन इसके जिम्मेदार उपयोग और प्रभावी नियमन की भी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए सूचना तंत्र का जवाबदेह और संतुलित होना जरूरी है।

जनसंपर्क मन से मन को जोड़ने की कला

IBC24 रायपुर के एसोसिएट एक्जीक्यूटिव एडिटर श्री वरुण सखा श्रीवास्तव ने जनसंपर्क को लोकतंत्र की आधारशिला बताते हुए कहा कि यह केवल सूचना देने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में विश्वास और संवाद स्थापित करने की प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि प्रभावी जनसंपर्क लोगों की सोच और व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाने की क्षमता रखता है।

एमिटी विश्वविद्यालय की प्रोफेसर वीना हड्डा ने मीडिया और जनसंपर्क के क्षेत्र में सत्यता, निष्पक्षता और सामाजिक जिम्मेदारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में विश्वसनीय जानकारी और तथ्य आधारित संवाद की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है।

PRSI वेस्ट जोन के वाइस प्रेसिडेंट श्री एस.पी. सिंह ने कहा कि वैश्विक संचार के इस दौर में जनसंपर्क लोकतंत्र को जन-जन तक जोड़ने का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। उन्होंने इसे लोकतंत्र के "पांचवें स्तंभ" के रूप में स्थापित करने की आवश्यकता बताई।

संगोष्ठी में PRSI रायपुर चैप्टर के अध्यक्ष प्रो. शाहिद अली, जनसंपर्क विभाग के अतिरिक्त संचालक श्री आलोक देव, प्रो. डॉ. अलीम खान, मानवाधिकार आयोग के जनसंपर्क अधिकारी श्री मनीष मिश्रा, CHIPS के जनसंपर्क अधिकारी श्री संजीव शर्मा तथा CSPDCL के जनसंपर्क अधिकारी श्री विकास शर्मा ने भी अपने विचार साझा किए। सभी वक्ताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि प्रभावी जनसंपर्क लोकतंत्र को अधिक पारदर्शी, सहभागी और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम के अंत में PRSI रायपुर चैप्टर के सचिव डॉ. कुमार सिंह तोप्पा ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

Young Voices Join PRSI Mumbai's Conversation on PR and Democracy

On April 21, 2026, beneath a sky brushed with twilight hues, the Mumbai Chapter of the Public Relations Society of India gathered to honour National PR Day- anchored in the theme "Public Relations: The Fifth Pillar of Democracy." The evening breathed with purpose: to weave young voices into the nation's dialogue. On the rooftop of the famed Free Press Journal House, the venue opened itself to the vast Arabian Sea, shimmering with vibrant branding, melodies drifted through the air carried by the youthful energy of college students of the Nalanda Forum. Soon after, words took centre stage-spirited and unafraid as distinguished speakers ignited a panel that crackled with insight. The open forum saw students step forward boldly, their voices fierce and alive. It was meaningful celebration not just of public relations, but of participation and the power of strong voices. The evening began and ended with an enchanting musical medley performed by students at Jai Hind college, adding a special charm to the evening.

Anita Shrivastava, Chairman, PRSI Mumbai, emphasized, "For democracy to thrive, we must include and mentor the next generation of communicators to ensure young voices are not just heard, but are equipped to lead with integrity." She also urged the member companies to open doors for internships, giving

students real-world exposure, as a valuable future investment in young Indians. Members of PRSI Mumbai Managing Committee, including Rajesh Parida (Vice-Chairman), Dr. Milind Awatade (Secretary), Dr. Daivata Patil (Jt. Secretary), Amalan Mascarenhas (Treasurer) were there in full force with executive members Janet Arole as the star anchor and Braj Kishore who steered the open forum. Abhishek Karnani, Director of FPJ Group, and Vithal C Nadkarni, Senior Editor & Consulting Columnist, The Times of India Group of Publications, also graced the occasion.

Information was also shared on the strengthening of the Nalanda

Forum of PRSI with partnerships through MoUs with Deviprasad Goenka Management College of Media Studies, Mumbai, Jai Hind College, Mumbai. Students from these colleges and from Media Studies, University of Mumbai, were present in large numbers.

A very part of the agenda was felicitation of Mr. Suhas B Naik-Satam, a former Managing Committee member of PRSI, and Programme Coordinator (Scientific), Nehru Planetarium, Mumbai, with Award for Outstanding Contribution instituted by PRSI National Council.

Dr. Patil moderated a panel discussion with participation of Dr. Nilesh Khare, Editor-in-Chief & COO, Saam TV and Dr. Sanjay Ranade, renowned Media Educator & Researcher. She questions on whether public opinion can be influenced as strongly as journalism does through PR; Public opinion created via PR, is it constructive or concerning; How do you see PR and propaganda in the democratic setup; Does PR have the capability to strengthen democracy & how can the communication gap be strengthened between institutions and the citizens. Dr. Khare said that PR and journalism are two sides of the same coin. The purpose & targets can be different, but both can help each other to achieve their purposes. On a question on Political PR in newsrooms, he said that it is very dominant in newsrooms but there still exists 95% space to do good jobs. Dr. Ranade said that for any pillar of democracy, the basic requirement is to be able to question power, which is the fundamental function of being a pillar. He shared a very

interesting insight that with digital de-centering, any young person with a phone can question or write, which has left the world feeling extremely threatened.

Both the speakers said that in an era of misinformation, the PR

professional's role in maintaining transparency is vital for sustaining democratic trust.

A spirited open forum saw student participation from Jai Hind College, and Deviprasad Goenka Management College of Media Studies and Media Studies, University of Mumbai asking questions. Sanman Hutgikar, DGMC added a youthful voice. He said that PR is more of a power multiplier, and in a democracy, one pillar must never weaken another, especially not journalism. PR, he said has played a crucial role in building awareness around initiatives like Swachh Bharat, Make in India, and even during crises like COVID-19. But at the same time, we must ask-are we using the same strength to raise crucial issues in the country. He raised a very interesting point that 'democracy depends on integrity'. We don't expect PR to make everything look perfect, but we expect it to make things clear. He ended on a thought-provoking note that perhaps the real question is not whether PR is the fifth pillar of democracy, but whether is it ready to uphold as one.

During the vote of thanks Mr. Awatade invited the participants to become members of PRSI because the platform offers a vibrant opportunity to contribute & grow for both seasoned professional and new professionals who have just set out in this journey.

Good intentions alone cannot fructify without the encouragement and backing of sponsors. IndianOil, BPCL, HPCL, Free Press Journal, Reva Advertising, Jaypore Brand helped making the event successful with their generous support.

The event received wide publicity across more than 25 publications in Maharashtra.

From Reputation to Responsibility: PRSI Ahmedabad Examines PR's Democratic Role

The Public Relations Society of India (PRSI), Ahmedabad Chapter, celebrated National PR Day with a compelling and thought-provoking session by noted communication expert Mr. Hiren Bhatt on the theme "Public Relations as the Fifth Pillar of Democracy." The session brought together industry professionals, academicians, students, and communication enthusiasts to deliberate on the evolving role of public relations in strengthening democratic frameworks.

The occasion was further marked by the launch of the Annual Newsletter by the office bearers of PRSI in the esteemed presence of the Chief Guest, showcasing the chapter's key initiatives, milestones, and thought leadership.

Adding to the significance of the day, Mr. Hemant Sadkar was recognised for his commendable efforts in streamlining the accounting processes of the chapter. He was conferred with an award by the National Council, and the same was ceremoniously honoured by the PRSI Ahmedabad Chapter members during the event, acknowledging his contribution towards strengthening governance and operational efficiency.

Delivering his address, Mr. Bhatt highlighted the transformative journey of public relations—from the structured and traditional practices of the 1980s to today's fast-evolving digital ecosystem driven by social media, instant communication, and virality. He

emphasized that PR today operates in a real-time environment where narratives are not only created but also constantly shaped and reshaped.

He elaborated on the crucial role PR plays in influencing stakeholders and policy makers, underlining its position as a vital force in democratic functioning. "Public Relations today is not just about managing reputation—it is about responsibly shaping narratives that inform, engage, and empower. In an age of information overload, PR must mirror reality with credibility and ensure that facts reach people with clarity and context," Mr. Bhatt noted.

Echoing the significance of the theme, Mr. Vicky Shah, Chapter Chairman, PRSI Ahmedabad, said, "Public Relations has evolved into a powerful enabler of democracy, acting as a bridge between institutions and society. As the fifth pillar, PR carries the responsibility of ensuring that truth, transparency, and timely communication reach the public, while also enabling informed dialogue between stakeholders and policy makers."

The session underscored how PR continues to reflect societal realities while fostering meaningful engagement, placing a growing responsibility on professionals to uphold authenticity and ethical communication.

The event witnessed enthusiastic participation from PRSI chapter members, esteemed guests, and students, all of whom engaged in insightful discussions. Attendees took home valuable learnings on how the dynamics of public relations have transformed over the last four to five decades and continue to redefine their relevance in an ever-evolving media landscape.

The session concluded on an inspiring note, reinforcing PR's pivotal role in shaping narratives and strengthening democratic values in contemporary society.

जनसंपर्क सरकार और जनता के बीच विश्वास का सेतु है

पब्लिक रिलेशंस सोसायटी ऑफ इंडिया (PRSI), भोपाल चैप्टर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में व्याख्यान में मुख्य वक्ताओं ने लोकतंत्र की मजबूती में जनसंपर्क की प्रभावी भूमिका और विशेषताओं पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक श्री गिरिजा शंकर ने कहा कि "आज के दौर में जनसंपर्क केवल सूचनाओं का आदान-प्रदान नहीं है, बल्कि यह सरकार और जनता के बीच विश्वास का सेतु है। पुराने दौर की अपेक्षा आज डिजिटल युग के नए दौर में जनसंपर्क की भूमिका और अधिक प्रभावी हो गई है। समाचार पत्र और टेलीविजन के बाद अब सोशल मीडिया के आने से जनसंपर्क की पहुंच अब दुनिया के किसी भी कोने तक संभव हो गई है। व्याख्यान के विषय के संदर्भ में उन्होंने कहा कि जनसंपर्क वह माध्यम है जो सबको आपस में जोड़कर लोकतंत्र को स्थायित्व प्रदान करता है। प्रख्यात साहित्यकार डॉ. उर्मिला शिरीष ने रेखांकित किया कि "संवाद की शुचिता ही लोकतंत्र की जान है। जनसंपर्क पेशेवर जब मानवीय संवेदनाओं के साथ तथ्यों को समाज तक पहुँचाते हैं, तभी एक स्वस्थ लोकतंत्र का निर्माण होता है। एलएनसीटी यूनिवर्सिटी भोपाल कुलपति (वाइस चांसलर) डॉ. नरेन्द्र कुमार थापक ने शिक्षा और जागरूकता के क्षेत्र में जनसंपर्क के महत्व को बताते हुए कहा कि "बदलते

तकनीक के दौर में जनसंपर्क की जिम्मेदारी और बढ़ गई है। यह एक ऐसा माध्यम है जो भ्रांतियों को दूर कर समाज को सही दिशा दिखाता है।"

विशिष्ट विभूतियों का हुआ सम्मान

समारोह में जनसंपर्क विभाग के उप संचालक श्री सुनील वर्मा, सहायक संचालक सुश्री निहारिका मीना और सुश्री हिमांशी बजाज को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 'लोक संपर्क सम्मान' से नवाजा गया। साथ ही, वरिष्ठ आंचलिक पत्रकार श्री मुन्ना लाल मिश्रा और चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी मेरठ की रिसर्च एसोसिएट डॉ. बीनम यादव को लोक संपर्क सम्मान प्रदान किया गया।

सात महिला पत्रकारों को मिला 'अचला-उदिता' अवार्ड सम्मान

महिला सशक्तीकरण की मिसाल पेश करते हुए जनसंपर्क, पत्रकारिता एवं मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय सात महिलाओं में श्रीमती योजना लाड़, सुश्री निधि परमार, सुश्री ऋषिता तोमर, सुश्री कोपल बरखाने, सुश्री साक्षी त्रिपाठी, सुश्री राशि श्रीवास्तव एवं सुश्री दीप्ति तोमर को 'अचला' एवं 'उदिता' अवार्ड से सम्मानित किया गया।

पीआरएसआई ने दी बधाई

पब्लिक रिलेशंस सोसायटी ऑफ इंडिया (PRSI), भोपाल चैप्टर के अध्यक्ष श्री मनोज द्विवेदी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने पीआरएसआई की ओर से सभी सम्मानित अधिकारियों, पत्रकारों और मीडियाकर्मियों को

बधाई देते हुए कहा कि "आप सभी का समर्पण जनसंपर्क के क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर रहा है। पीआरएसआई भोपाल भविष्य में भी इसी तरह प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करता रहेगा।"।

कार्यक्रम में गणमान्य नागरिक, कार्पोरेट और मीडिया जगत के प्रतिनिधि, जनसंचार और पत्रकारिता क्षेत्र से जुड़े विद्यार्थी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पीआरएसआई की ओर से सचिव डॉ. पंकज मिश्रा ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष डॉ. अविनाश वाजपेयी, कोषाध्यक्ष श्री के. के. शुक्ला, नेशनल काउंसलिंग सदस्य श्री विजय बोन्द्रिया, वरिष्ठ सदस्य श्री प्रकाश साकल्ले एवं सदस्य डॉ. अनु श्रीवास्तव उपस्थित थी।

Trust, Truth and Two-Way Communication Take Centre Stage at PRSI Chennai

The Public Relations Society of India (PRSI), Chennai Chapter, celebrated National PR Day with a special programme on Tuesday, April 21, 2026, at Hotel Savera.

The programme was held under the leadership of Mr. Ramkumar Singaram, Chairman of the PRSI Chennai Chapter, and coordinated by Dr. N. Raja, Secretary, along with Dr. S. Shridevi, Treasurer. The session began with a welcome address, followed by the introduction of the speakers and an overview of the significance of National PR Day.

The theme of the event was “Public Relations: The Fifth Pillar of Democracy.” Delivering the keynote address, Dr. N. Raja spoke about the evolving role of public relations in strengthening democratic systems. He said that while democracy traditionally rests on the Legislature, Executive, Judiciary and Media, public relations has emerged as a crucial fifth pillar that bridges the gap between institutions and citizens.

Dr. Raja highlighted the role of PR professionals in promoting transparent, ethical and responsible

communication. He stressed the importance of two-way communication in building trust, accountability and mutual understanding between organisations and the public.

He also noted that in the digital era, public relations can help combat misinformation, promote truth and encourage informed citizen participation. He highlighted the role of PR in empowering communities by amplifying diverse voices, addressing public concerns, and contributing to social awareness and policy understanding.

Concluding his address, Dr. Raja said public relations is not merely about image-building but also contributes to nation-building by strengthening democratic values such as inclusivity, freedom of expression and engagement.

The programme also featured a special guest lecture by V. Balasubramanian, Veteran Business Journalist, Economic Analyst and Corporate Communications Consultant. He spoke on “How PR and Media Can Play a Win–Win Role for Mutual Benefit.” He discussed the relationship between PR and media, highlighting collaboration, credibility and ethical storytelling as important factors for mutual growth and public trust.

A significant part of the programme was the felicitation of past committee members of the PRSI Chennai Chapter for their contributions and dedicated service to the organisation.

The session concluded with an interactive segment in which participants engaged with the speakers through questions and discussions. The event witnessed the participation of 37 PR professionals, academicians, students and media representatives.

The National PR Day celebration highlighted the importance of public relations in the democratic framework and encouraged participants to contribute responsibly to the field of communication.

Credibility Over Technology: PRSI Guwahati Emphasises Trust in Communication

On the occasion of National Public Relations Day, a panel discussion on "Public Relations – The Emerging Fifth Pillar of Democracy" was organised by the Public Relations Society of India, Guwahati Chapter at The Assam Royal Global University on National PR Day.

The session began with a welcome address by Ruma Chakraborty, followed by a message from M. S. Mazumdar. Delivering the keynote, Dr. P. J. Baruah highlighted PR's role in building trust, transparency, and accountability, along with challenges like technological disruption and proving business value. Vice Chancellor Prof. (Dr.) A. K. Buragohain emphasized ethical communication and perception-building, referencing Public Sphere theory of Jürgen Habermas.

Panelists, including Col. Dibya Shankar Bhattacharya, Loreta Ann Kharmawphlang, Anjan K. Borthakur, Ghulam Kibriya, and Prof. (Dr.) Sayanika Dutta, discussed digital challenges, credibility concerns, and the growing influence of PR.

Moderator Surajit Sinha Roy concluded that while AI may transform communication, credibility remains the cornerstone—positioning PR as the emerging fifth pillar of democracy.

Ruma Chakraborty, Chairperson, PRSI Guwahati Chapter, stated that Public Relations as of today is not confined tojust communication, however, is it more about building informed societies, fostering trust and strengthening democratic values through responsible and ethical engagement.

The programme concluded with a folk rendition by Singer Shromona Dey and vote of thanks delivered by Jumita Saikia of NEDFi.

Various print, television and digital media captured the event that includes Dainik Purvoday, DY365, Northeast News, Assam Tribune etc. We also circulated a PR day Video highlighting the event.

पीआरएसआई जयपुर चैप्टर ने 58वें राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस एवं सम्मान समारोह का किया आयोजन

पब्लिक रिलेशन्स सोसाइटी ऑफ इंडिया (PRSI), जयपुर चैप्टर द्वारा 58वें राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस एवं सम्मान समारोह का भव्य एवं गरिमामय आयोजन पिंक सिटी प्रेस क्लब, जयपुर में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जनसंपर्क क्षेत्र में कार्यरत पेशेवरों, शिक्षाविदों एवं जनसंचार विशेषज्ञों के योगदान को सम्मानित करना तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनसंपर्क की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करना था। इस अवसर पर “Public Relations: Fifth Pillar of Democracy” विषय पर विस्तृत विचार-विमर्श भी किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के मंचासीन होने के साथ हुआ। इसके पश्चात वंदे मातरम् गायन एवं जनसंपर्क गीत की प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को गरिमामय बना दिया। उपस्थित अतिथियों का स्वागत शॉल, माला एवं स्मृति चिह्न भेंट कर किया गया। स्वागत भाषण PRSI जयपुर चैप्टर के अध्यक्ष श्री वीरेंद्र पारीक द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्होंने संगठन की यात्रा एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। विषय परिचय राजस्थान विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. संजीव भानावत ने दिया। इस अवसर पर PRSI न्यूजलेटर का भी विमोचन किया गया।

मुख्य अतिथि श्री पवन अरोड़ा, पूर्व IAS अधिकारी एवं CEO, फर्स्ट इंडिया एवं दैनिक सच बेधड़क, ने अपने संबोधन में कहा कि जनसंपर्क लोकतंत्र के पाँचवें स्तंभ के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकारी एवं गैर-सरकारी जनसंपर्क अधिकारियों को मिलकर समाज और शासन के बीच विश्वास का सेतु बनना चाहिए। उन्होंने डिजिटल युग में पारदर्शिता, त्वरित संप्रेषण और प्रभावी संवाद को जनसंपर्क की प्रमुख आवश्यकता बताया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. एन. के. पांडेय, कुलगुरु, हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय ने की। उन्होंने

कहा कि जनसंपर्क केवल सूचना का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि समाज और संस्थाओं के बीच विश्वास निर्माण का मजबूत आधार है। उन्होंने स्वस्थ लोकतंत्र में संवाद की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

विशिष्ट अतिथि डॉ. एल. सी. भारतीय, प्रख्यात शिक्षाविद् एवं प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के पूर्व सदस्य, ने मीडिया और जनसंपर्क की निष्पक्षता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि दोनों का दायित्व समाज के प्रति जवाबदेह होना है तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था में कमियों को उजागर करना भी आवश्यक जिम्मेदारी है।

विषय परिचय देते हुए डॉ. संजीव भानावत ने बदलते मीडिया परिवेश में जनसंपर्क कर्मियों की जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अधिक संवेदनशील, तथ्यपरक और उत्तरदायी संचार की आवश्यकता है।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने अपने संदेश में कहा कि जनसंपर्क लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है और यह जनता, प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों के बीच विश्वास को मजबूत करता है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने अपने संदेश में जनसंपर्क को

सरकार और नागरिकों के बीच विश्वास निर्माण का प्रभावी माध्यम बताते हुए पारदर्शिता और संवाद को सुदृढ़ करने में इसकी भूमिका की सराहना की।

सम्मान समारोह

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण जनसंपर्क एवं संचार क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों का सम्मान रहा। विभिन्न श्रेणियों में निम्नलिखित पुरस्कार प्रदान किए गए—

लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान

फारूक आफरीदी, रवि शंकर शर्मा, डॉ. कल्याण प्रसाद वर्मा

जनसंपर्क श्री सम्मान

अनिल कुमार गौड़, कमल जोशी, आत्माराम सिंघल

जनसंपर्क गौरव सम्मान

प्यारे मोहन त्रिपाठी, एम. एस. जैन

विशिष्ट उपलब्धि सम्मान

निर्मल गोयल

जनसंपर्क उत्कृष्टता सम्मान

कुणाल वरिष्ठ, डॉ. देवेंद्र पाठक, आशुतोष अवाना, सोनू शर्मा

वरिष्ठ जनसंचार शिक्षण उत्कृष्टता सम्मान

डॉ. फकीरा मोहन, सुश्री सनोवर पारीक, डॉ. अमित वर्मा

जनसंपर्क ऊर्जावान सम्मान

गजेन्द्र गुर्जर, सुलभ शुक्ला, टेकचंदानी

उदितमान सम्मान

संजीव माथुर, यादवेंद्र मोहन शर्मा

कार्यक्रम में यह भी रेखांकित किया गया कि जनसंपर्क केवल सूचना प्रसारण का माध्यम नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त करने वाला एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। वक्ताओं ने जनसंपर्क की भूमिका को समाज, सरकार और नागरिकों के बीच संवाद एवं विश्वास निर्माण का आधार बताया।

अंत में यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और इसे जनसंपर्क क्षेत्र के लिए प्रेरणादायी बताया गया। यह समारोह लोकतंत्र में पारदर्शिता, सहभागिता और सकारात्मक संवाद को और अधिक सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में स्थापित हुआ।

पीआरएसआई नागपुर चैप्टर ने किया "जनसंपर्क: लोकतंत्र का पाँचवां स्तंभ" विषय पर विचार-विमर्श

पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (PRSI) के नागपुर चैप्टर द्वारा रविभवन स्थित सभागार में राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर "जनसंपर्क: लोकतंत्र का पाँचवां स्तंभ" विषय पर विचार-विमर्श किया गया तथा जनसंपर्क क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अधिकारियों को सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य सूचना आयुक्त गजानन निमदेव ने अपने संबोधन में कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के कारण मीडिया क्षेत्र में तेजी से बदलाव आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर आम जनता की बढ़ती भागीदारी से सूचनाओं की अधिकता उत्पन्न हो गई है, ऐसे समय में जनसंपर्क अधिकारियों की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जो शासन और जनता के बीच सेतु का कार्य करती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता PRSI के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एस.पी. सिंह ने की। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनायक महामुनी, नगर निगम की स्थायी समिति की अध्यक्ष श्रीमती शिवानी दाणी, PRSI नागपुर के अध्यक्ष यशवंत मोहिते तथा सचिव मनीष सोनी मंच पर उपस्थित रहे।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनायक महामुनी ने कहा कि लोकतंत्र में विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया के साथ अब जनसंपर्क को भी पाँचवें स्तंभ के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि मीडिया को सटीक और आधिकारिक जानकारी उपलब्ध कराना जनसंपर्क

अधिकारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

स्थायी समिति की अध्यक्ष श्रीमती शिवानी दाणी ने सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक सूचनाओं के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों को वस्तुस्थिति को स्पष्ट रूप से जनता के समक्ष प्रस्तुत करना चाहिए तथा सरकारी योजनाओं की सही जानकारी का प्रभावी प्रसार करना चाहिए।

इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सेवानिवृत्त निदेशक शरद चौधरी को उनके दीर्घकालीन योगदान के लिए 'लाइफटाइम अचीवमेंट (जीवन गौरव) पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। वहीं महामेट्रो के उपमहाप्रबंधक अखिलेश हलवे को इस वर्ष के 'उत्कृष्ट जनसंपर्क अधिकारी' के रूप में सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में सेवानिवृत्त सूचना निदेशक शरद चौधरी ने युवाओं से जनसंपर्क क्षेत्र में करियर बनाने का आह्वान किया। सम्मान प्राप्त करने पर अखिलेश हलवे ने भी आभार व्यक्त करते हुए अपने अनुभव साझा किए।

कार्यक्रम का संचालन मनीष सोनी ने किया तथा आभार प्रदर्शन मधुसूदन देशमुख द्वारा किया गया। इस अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री का संदेश अमित बाजपेयी द्वारा पढ़कर सुनाया गया।

कार्यक्रम के दौरान संपादक नीरज ओमप्रकाश श्रीवास्तव द्वारा लिखित पुस्तक "भारतीय ज्ञान परंपरा: पत्रकारिता और जनसंपर्क" का विमोचन अतिथियों के कर-कमलों द्वारा किया गया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने सराहा।

समारोह का समापन इस संदेश के साथ हुआ कि तकनीक और सूचना के इस युग में जनसंपर्क अधिकारी न केवल सूचना के प्रसारक हैं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने वाले महत्वपूर्ण स्तंभ भी हैं।

Ethics and Public Trust Take Centre Stage at PRSI Tirupati

The National Public Relations Day 2026 was celebrated with grandeur under the aegis of the PRSI Tirupati Chapter. The event brought together legislators, academicians, legal professionals, media representatives, government Public Relations Officers, PRSI members, and students to deliberate on the growing importance of Public Relations as a foundational pillar of democracy and society.

The programme was presided over by Dr. G.S. Prasad, Chairman, PRSI Tirupati Chapter, with active participation from D. Chandramohan (Secretary), K. Madhusudhan (Treasurer), Dr. C. Swarajya Lakshmi (Former Chairperson), along with members Rajesh, Eswar, Ravindra, and students of Kautilya Institute.

The Chief Guest, Dr. Kalikiri Muralimohan, Hon'ble MLA, Puthalapattu, emphasized the urgent need to formally recognize Public Relations as the “Fifth Pillar of Democracy.” He highlighted that Public Relations Officers play a crucial role in strengthening public trust in democratic institutions. He further stressed that ethical communication is the foundation of a better society, remarking, “Respecting fellow human beings is the first step toward healthy relations. PR is the lifeblood of human existence and should be utilized to promote global peace.”

The Guest of Honour, Acharya M.P. Narasimha Raju, Vice-Chancellor, Dhamma Deepa International Buddhist University, Tripura, described Public Relations as the fundamental base of democracy. He stated that PR serves as a coordinating force among the four pillars of democracy—Legislature, Executive, Judiciary, and Media. He also noted that PR begins at home and emphasized the significant role of women in strengthening communication, harmony, and social development.

Several eminent speakers shared their perspectives on the evolving role of Public Relations in contemporary society. Mr. Sridhar, Director, Kautilya Institute, stated that effective PR drives the growth of individuals and institutions alike and cited Prime Minister Narendra Modi's “Mann Ki Baat” as a strong example of mass communication and public engagement. Mr.

N. Yoganand, Senior Advocate, highlighted the importance of PR in legal awareness and service delivery, noting that professionals with strong PR skills enjoy greater career opportunities. Mr. T. Madhusudhana, PRO, APSPDCL, described PR as a vital bridge between government policies and citizens and urged professionals to contribute actively to nation-building. Mr. A.D. Rangarajan, Assistant Editor, The Hindu, observed that PR works for collective societal well-being and acts as a unifying force among all pillars of democracy.

The event concluded with a strong consensus among all speakers supporting the recognition of Public Relations as the "Fifth Pillar of Democracy." The deliberations reinforced the role of PR in ethical governance, media coordination, legal awareness, and public engagement. The PRSI Tirupati Chapter resolved to take forward this proposal to appropriate national forums for wider consideration and recognition.

In conclusion, the National Public Relations Day 2026 celebration in Tirupati proved to be a highly impactful and thought-provoking event. It reaffirmed that Public Relations is not merely a communication function but a vital force in strengthening democratic values, transparency, and public trust. The PRSI Tirupati Chapter expressed gratitude to the National Body for its continued support and guidance, and the event concluded with group photographs and media documentation.

पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसहभागिता का सशक्त माध्यम बना जनसंपर्क

पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (PRSI) के शिमला चैप्टर द्वारा राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस का आयोजन यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज़ (UILS) के सहयोग से किया गया। इस वर्ष की थीम "Public Relations: The Fifth Pillar of Democracy" रही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता UILS के निदेशक प्रो. शिव कुमार डोगरा ने की। इस अवसर पर मुख्य वक्ताओं के रूप में श्रीमती आरती सूद, पूर्व निदेशक, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, हिमाचल प्रदेश सरकार; श्री भानु लोहमी, स्टेट ब्यूरो चीफ, पीटीआई; तथा प्रो. रमेश चौहान, प्रो-चांसलर, एपीजी यूनिवर्सिटी उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में श्रीमती आरती सूद ने कहा कि जनसंपर्क सरकार की नीतियों एवं योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि सत्य, विश्वसनीयता एवं तथ्यात्मक संवाद ही जनहितकारी योजनाओं के प्रति जनता का विश्वास मजबूत करते हैं। उन्होंने हितधारकों के साथ सतत् संवाद एवं फीडबैक की आवश्यकता पर भी बल दिया।

श्री भानु लोहमी ने सरकार के प्रभावी एवं पारदर्शी संचालन के लिए जनसंपर्क और मीडिया के समन्वय को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि सरकारी प्रचार-प्रसार का बड़ा हिस्सा विभिन्न विभागों द्वारा उपलब्ध कराए गए तथ्यों और आंकड़ों पर आधारित होता है। उन्होंने विशेष रूप से विधि एवं पत्रकारिता के विद्यार्थियों को पुस्तकालयों में अधिक समय व्यतीत कर अध्ययन एवं ज्ञानवर्धन करने की सलाह दी।

प्रो. रमेश चौहान ने कहा कि लोकतंत्र के पारंपरिक स्तंभ- विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका हैं, जबकि मीडिया चौथे स्तंभ के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जनसंपर्क "लोकतंत्र के पाँचवें स्तंभ" के रूप में उभरकर सामने आया है, जो पारदर्शिता, जवाबदेही एवं

जनसहभागिता को सशक्त बनाता है।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. शिव डोगरा ने कहा कि किसी भी संस्थान एवं व्यक्ति की ब्रांड बिल्डिंग में जनसंपर्क और सूचना प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जनसंपर्क संस्थानों में एक महत्वपूर्ण प्रबंधन गतिविधि के रूप में स्थापित हो चुका है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. रणवीर वर्मा, चेयरपर्सन, PRSI शिमला चैप्टर ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में जनसंपर्क के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने संगोष्ठी में अपने विचार साझा करने के लिए सभी वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस कार्यक्रम में 200 से अधिक विद्यार्थियों, UILS के संकाय सदस्यों तथा PRSI शिमला चैप्टर के सदस्यों ने भाग लिया।

इस अवसर पर अन्य गणमान्य व्यक्तियों में श्री अशोक शर्मा, एन. सी. सदस्य, डॉ. विजय चौधरी एवं डॉ. संगीता ठाकुर उपस्थित रहीं।

Building Public Trust: PRSI Visakhapatnam Focuses on Responsible Communication

The Waltair Division of East Coast Railway observed National Public Relations Day at the Divisional Railway Manager's Conference Hall, Dondaparthi, in association with the Visakhapatnam Chapter of Public Relations Society of India (PRSI). The event was held on the theme "PR – The Fifth Pillar of Democracy," highlighting the growing importance of public relations in strengthening transparency, trust, and effective communication in a democratic framework.

As part of the programme, Shri Lalit Bohra, IRTS, Divisional Railway Manager, Waltair Division, was felicitated with the PRSI Award in recognition of his leadership and consistent support for public communication and outreach initiatives.

The occasion was graced by Prof. DVR Murthi, Vice Chancellor of Andhra Kesari University, as the Chief Guest. Smt. B. Varalakshmi, former Judge, Consumer Court, and Sri Lakhmana Rao, Editor of Coastal Times, attended as Guests of Honour.

Addressing the gathering, the dignitaries emphasized that public relations serves as a vital bridge between institutions and the public, enabling awareness, engagement, and responsive governance. They noted that effective communication plays a crucial role in strengthening democratic values and institutional credibility.

PRSI Visakhapatnam Chapter President M.K.V.L. Narasimham, Secretary A. Govinda Rao, executive members, and senior branch officials of the Waltair Division were also present. The programme reaffirmed the division's commitment to transparent communication and proactive public outreach.

राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस पर देहरादून में विचार गोष्ठी 'संवाद ही विश्वास की नींव' पर जोर

राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस के अवसर पर पब्लिक रिलेशंस सोसायटी ऑफ इंडिया (PRSI), देहरादून चैप्टर द्वारा राजपुर रोड स्थित हुडको सभागार में "लोकतंत्र में जनसंपर्क का महत्व" विषय पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई।

कार्यक्रम में चैप्टर के अध्यक्ष एवं उपनिदेशक रवि बिजारनिया ने कहा कि लोकतंत्र में जनसंपर्क सरकार और जनता के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य करता है। प्रभावी जनसंपर्क के माध्यम से संवाद स्थापित होता है और इसी संवाद से विश्वास का निर्माण होता है, जो समाज में आशाओं को साकार करता है।

हुडको के क्षेत्रीय प्रमुख संजय भार्गव ने कहा कि जनसंपर्क केवल शासन-प्रशासन तक सीमित नहीं है, बल्कि परिवार और समाज के स्तर पर भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने वर्तमान समय में संचार के बढ़ते माध्यमों के बीच जिम्मेदार संवाद की आवश्यकता पर जोर दिया। चैप्टर के सचिव अनिल सती ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए PRSI की गतिविधियों और उद्देश्यों की जानकारी दी।

कार्यक्रम में सदस्य मनीता हरि ने फेक न्यूज़ और डीप फेक जैसी चुनौतियों के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता बताई। वक्ताओं ने जनसंपर्क के सकारात्मक, प्रामाणिक और प्रभावी स्वरूप पर बल देते हुए इसे संस्थागत के साथ-साथ व्यक्तिगत स्तर पर भी राष्ट्र और समाज सेवा का सशक्त माध्यम बताया। गोष्ठी का संचालन वरिष्ठ पत्रकार संजीव कंडवाल ने किया।

इस अवसर पर राकेश डोभाल, प्रियांक वशिष्ठ, सुशील कुमार, मनोज सती, रितिक, वैभव गोयल, विमल डबराल, दिनेश कुमार, दीपक शर्मा, संजय पांडेय, पुष्कर नेगी सहित अन्य सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

Beyond Image Management: PRSI Bhubaneswar Focuses on Public Interest and Responsible Communication

The Bhubaneswar Chapter of the Public Relations Society of India (PRSI) observed National Public Relations Day 2026 today at the Press Club of Odisha. The event brought together a distinguished panel of communication experts, media veterans, and academicians to deliberate on the future of the industry in an era of digital transformation and regional growth.

Addressing the gathering, Mr. Prashant Hota, President & Head of Corporate Communications at Jindal Steel, highlighted the strategic role of PR in the development of the state. He urged professionals to move beyond corporate image management and focus on nation-building. He further said

"PR professionals have a critical role in realizing the vision of Vikshit Odisha and we must create a unique Brand Odisha. PR is fundamentally about managing human relationships and building trust, not just managing corporate perceptions.

There is nothing to feel insecure about AI, as it is just a tool, not the master. It can process data, but it cannot dream or manage the nuances of human relationships."

Providing an academic perspective, Prof. (Dr.) Anand Pradhan, Regional Director of IIMC Dhenkanal, stressed that ethics remain the bedrock of the profession.

He noted that PR professionals act as public communicators within a democracy. He emphasized that PR messaging must be inclusive and reflect a diversity of opinions to maintain credibility.

"Public Relations without ethics is merely propaganda," he remarked.

Mr. Sandeep Mishra, Group Editor of Odisha Bytes and Odisha Sambad, urged PR practitioners to maintain an "ear to the ground." He reminded the audience that while PR serves a client or company, the ultimate responsibility lies toward the public interest and the country.

The session was chaired by Mr. Sudhi Ranjan Mishra, Chairman of the PRSI Bhubaneswar Chapter, who reflected on the need for credibility in a dynamic digital ecosystem. The event concluded with a vote of thanks from Mr. Krushna Chandra Mahapatra, Secretary of the Chapter.

The gathering reinforced PRSI's commitment to fostering professional excellence and ethical standards among practitioners, students, and media representatives alike.

छवि निर्माण में जनसमंपर्क कर्मी की महत्वपूर्ण भूमिका- डॉ. मनोज

राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस 21 अप्रैल को जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय में मनाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने सर्वसम्मति से वरिष्ठ पत्रकार ओम प्रकाश राणा को मुख्य अतिथि, अवतार सिंह चुघ को विशिष्ट अतिथि तथा पत्रकारिता क्षेत्र से जुड़े अन्य गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. मनोज कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि जनसंपर्क प्रबंधन एक बहुआयामी विधा है। किसी भी सरकार, संस्थान, संगठन, व्यक्ति की छवि, धारणा और विश्वास बनाने में जनसंपर्क से जुड़े व्यक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यही वजह है कि आज देश में जनसंपर्क विधा तेजी से लोकप्रिय हो रही है। देश में अनेक जनसंपर्क कर्मी हैं, जो जनसंपर्क प्रबंधन में कुशलता से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 1958 में पब्लिक रिलेशन सोसायटी ऑफ इंडिया का गठन हुआ। 1961 में भारतीय अधिनियम के तहत इसे रजिस्टर्ड किया गया। पब्लिक रिलेशन सोसायटी ऑफ इंडिया जनसंपर्क एवं संचार के क्षेत्र में विभिन्न संगठनों में कार्य करने वाले प्रोफेशनल्स की 70 वर्ष पुरानी एक राष्ट्रीय स्तर की संस्था है। इस संस्था के पूरे देश में लगभग 27 चैप्टर कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि 21 अप्रैल 1968 में पहली बार अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसके बाद से 21 अप्रैल के दिन राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस मनाने की परंपरा शुरू हुई।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष की थीम 'जनसंपर्क लोकतंत्र का पांचवां स्तंभ' रखी गई है, ताकि लोगों को इस विषय का उद्देश्य स्पष्ट हो कि कैसे जनसंपर्क के माध्यम से विश्वसनीय जानकारी का प्रबंधन किया जाता है और समाज में सकारात्मक संबंध बनाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार साहित्य समाज का दर्पण होता है, उसी प्रकार समाचार जल्दी में समाज का प्रतिबिंब प्रस्तुत करता है। इसके लेखन में शोध तथ्यों की आवश्यकता है। उन्होंने जनसंपर्क के क्षेत्र में करियर बनाने पर जोर दिया। वरिष्ठ पत्रकार ओम प्रकाश ने कहा कि जनसंपर्क कर्मी, मीडिया के विभिन्न साधनों का उपयोग करके अपने संस्थान के इवेंट्स की जानकारी को लोगों तक पहुंचाने का कार्य करते हैं। उन्होंने पत्रकारों की जिम्मेदारियों की भूमिका पर प्रकाश डाला और उन्हें लोकतंत्र को मजबूत करने की महत्वपूर्ण कड़ी बताया।

वरिष्ठ पत्रकार अवतार सिंह चुघ ने पत्रकारिता के मूल्यों और समाज पर पड़ने वाले प्रभाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनसंपर्क की भूमिका नागरिकों तक सही और समय पर जानकारी पहुंचाने, उनकी समस्याओं को समझने तथा समाधान की दिशा में कार्य करने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने डिजिटल युग में जनसंपर्क के बदलते स्वरूप पर भी चर्चा की और सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया। वरिष्ठ पत्रकार भगवान सिंह राणा, सर्वजीत बावा, हरोश कोहली, सहायक प्राध्यापक पत्रकारिता एवं जनसंपर्क प्रेमेश त्यागी, सामाजिक कार्यकर्ता विश्वास राजन बजाज, शिव चुघ, आरविंद शर्मा, संजीव कुमार, डॉ. गुलाब सिंह, संजीव चौहान सहित अन्य पत्रकार साथी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

Student Voices Take Centre Stage at Amity University Rajasthan on National PR Day

Amity University Rajasthan, organised a two-day National PR Day celebration on 21st and 22nd April 2026 to commemorate the significant and impactful contributions of Public Relations professionals in fostering strong relationship building and establishing effective two-way communication.

The two-day celebration witnessed a series of highly creative and enthusiastic student-led activities, including a PR Campaign, Nukkad Natak, and competitive events such as a Media Quiz and Poster Making Competition. All activities were centred on the theme, "Public Relations: The Fifth Pillar of Democracy."

A special highlight of the celebration was the gracious presence and blessings extended on the occasion, which added great encouragement and significance to the event. The programme also featured a rich panel discussion with eminent experts on the theme, "Participatory Communication Models for a Sustainable Future: Community Engagement and Innovation in a Democratic Context."

The discussion provided valuable insights into the evolving role of communication in strengthening democratic participation, promoting innovation, and encouraging active community engagement. The panelists emphasized the importance of inclusive and participatory communication models in addressing contemporary social challenges and building a more sustainable and informed society.

The event successfully created an engaging platform for students to express creativity, enhance their understanding of Public Relations, and appreciate its role as a vital pillar of democracy. Overall, the celebration was a meaningful and enriching experience that reinforced the importance of ethical communication, innovation, and stakeholder engagement in the field of Public Relations.

From Reputation to Crisis Response: Chandigarh University Brings Industry Perspectives to PR Day

The Nalanda Student Forum (PRSI) of University Institute of Media Studies (UIMS) at Chandigarh University marked Public Relations Day with an engaging panel discussion on "Strategic Reputation Management: Strengthening Trust in Democratic Institutions." The event brought together distinguished speakers, faculty members, and students to deliberate on ethical communication and the evolving role of public relations in today's dynamic media environment.

The programme commenced with the arrival of guests, followed by a traditional Ganesh Vandana.

Mr. Gagan Deep Chauhan, Additional Director, UIMS extended a warm welcome and felicitated the dignitaries. Prof. (Dr.) Devender Singh, Pro Vice Chancellor, Chandigarh University delivered an insightful session on media awareness, addressing key challenges such as misinformation and disinformation in the digital age. The panel featured eminent professionals, including Shishir Sinha, Associate Editor and Senior Journalist at The Hindu Business Line; Shivangi Malhotra, Head of PR at Epistle Communications; Navdeep Gill; Deputy Director, at the Punjab Civil Secretariat and Manteshwar Kahlon, Founder of Media Wale.

The discussion explored critical themes such as democracy, government public relations, media ethics, and the role of perception in shaping public opinion. The panellists emphasized the importance of factual accuracy, ethical practices, and responsible communication in building and sustaining public trust. Students actively engaged with the speakers during the Q&A session, reflecting their enthusiasm and awareness. The formal session concluded with a vote of thanks by Nalanda Chapter, PRSI -SPOC Prof. (Dr.) Chanchal Suri.

The event also featured interactive activities, including the competition "Spotlight Crisis: Mock Press Conference," along with specialized masterclasses on ethics in business journalism and Crisis Communication and Sports Journalism. The event concluded with prize distribution and closing remarks by Prof. (Dr.) Jyotsana Thakur, Head of Department, marking a successful and enriching celebration of Public Relations Day. Overall, the programme served as a valuable platform for understanding the power and responsibility of public relations in fostering informed and ethical communication practices.

Building Bridges of Trust for a Better World!

PRSI

PUBLIC RELATIONS SOCIETY OF INDIA